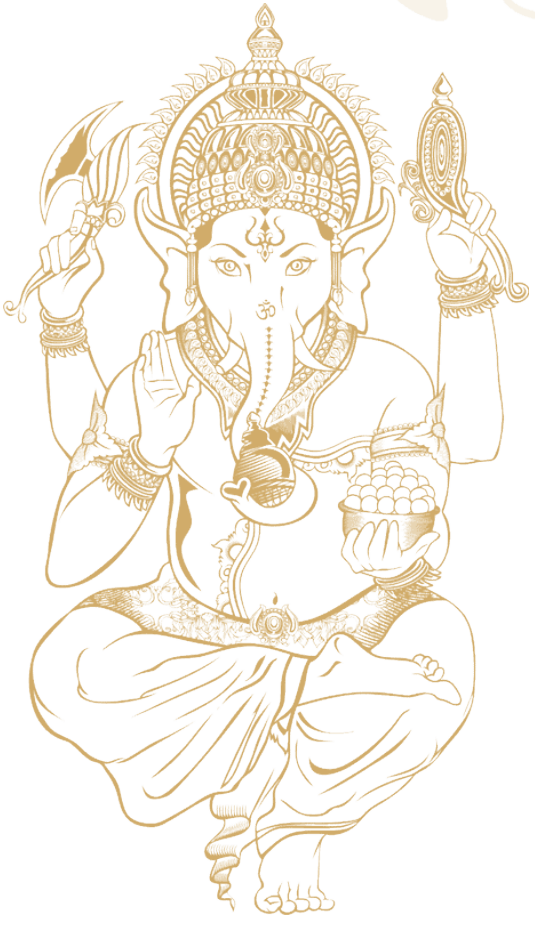

HARSHITA

26 Nov 2002

05:00 AM

Bhopal

Model: web-freekundliweb

Order No: 119330302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25-26/11/2002**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	55:48:07 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:39:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:07 घंटे
साम्पातिक काल	08:58:48 घंटे
सूर्योदय	06:40:45 घंटे
सूर्यास्त	17:33:23 घंटे
दिनमान	10:52:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:37:41 वृश्चिक
लग्न के अंश	16:36:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डिंपल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:36:43	319:50:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	09:37:41	01:00:41	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	18:30:17	13:21:08	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल			तुला	02:29:44	00:38:31	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	16:15:52	01:33:15	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
गुरु			कर्क	24:05:32	00:01:40	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	06:35:46	00:11:00	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	03:25:11	00:04:17	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु			वृष	14:47:53	00:00:29	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	14:47:53	00:00:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:13:00	00:01:06	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:40:23	00:01:12	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:01:42	00:02:15	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	18:20:23	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:34

लग्न-चलित

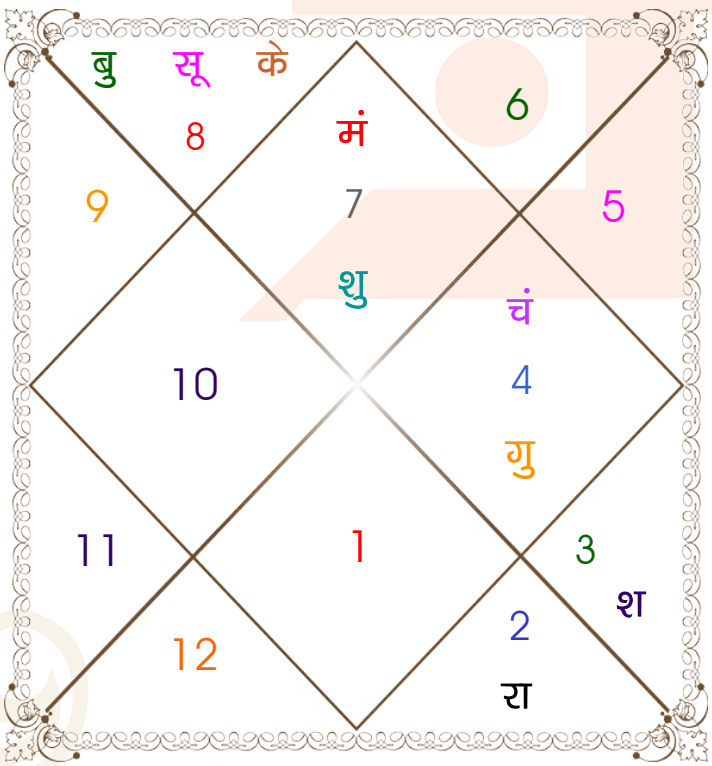

चन्द्र कुंडली

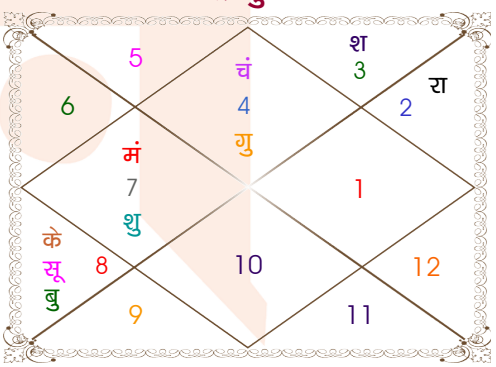

नवमांश कुंडली

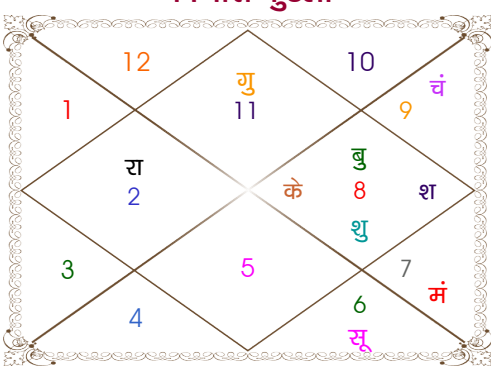

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 7 मास 26 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/11/2002		23/07/2017		23/07/2024		23/07/2044		23/07/2050	
23/07/2017		23/07/2024		23/07/2044		23/07/2050		23/07/2060	
बुध	19/12/2002	केतु	19/12/2017	शुक्र	22/11/2027	सूर्य	09/11/2044	चंद्र	24/05/2051
केतु	17/12/2003	शुक्र	18/02/2019	सूर्य	22/11/2028	चंद्र	11/05/2045	मंगल	23/12/2051
शुक्र	17/10/2006	सूर्य	26/06/2019	चंद्र	23/07/2030	मंगल	16/09/2045	राहु	23/06/2053
सूर्य	23/08/2007	चंद्र	25/01/2020	मंगल	22/09/2031	राहु	11/08/2046	गुरु	23/10/2054
चंद्र	21/01/2009	मंगल	22/06/2020	राहु	22/09/2034	गुरु	30/05/2047	शनि	23/05/2056
मंगल	19/01/2010	राहु	11/07/2021	गुरु	23/05/2037	शनि	11/05/2048	बुध	22/10/2057
राहु	07/08/2012	गुरु	17/06/2022	शनि	23/07/2040	बुध	17/03/2049	केतु	23/05/2058
गुरु	13/11/2014	शनि	27/07/2023	बुध	24/05/2043	केतु	23/07/2049	शुक्र	22/01/2060
शनि	23/07/2017	बुध	23/07/2024	केतु	23/07/2044	शुक्र	23/07/2050	सूर्य	23/07/2060

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
23/07/2060		24/07/2067		23/07/2085		24/07/2101		24/07/2120	
24/07/2067		23/07/2085		24/07/2101		24/07/2120		00/00/0000	
मंगल	19/12/2060	राहु	05/04/2070	गुरु	10/09/2087	शनि	27/07/2104	बुध	27/11/2122
राहु	06/01/2062	गुरु	28/08/2072	शनि	24/03/2090	बुध	06/04/2107		00/00/0000
गुरु	13/12/2062	शनि	05/07/2075	बुध	28/06/2092	केतु	15/05/2108		00/00/0000
शनि	22/01/2064	बुध	22/01/2078	केतु	04/06/2093	शुक्र	15/07/2111		00/00/0000
बुध	18/01/2065	केतु	09/02/2079	शुक्र	03/02/2096	सूर्य	26/06/2112		00/00/0000
केतु	17/06/2065	शुक्र	09/02/2082	सूर्य	22/11/2096	चंद्र	26/01/2114		00/00/0000
शुक्र	17/08/2066	सूर्य	04/01/2083	चंद्र	24/03/2098	मंगल	07/03/2115		00/00/0000
सूर्य	22/12/2066	चंद्र	05/07/2084	मंगल	27/02/2099	राहु	10/01/2118		00/00/0000
चंद्र	24/07/2067	मंगल	23/07/2085	राहु	24/07/2101	गुरु	24/07/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 7 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।